आइआइएम रोहतक में एक दशक में छात्र-छात्राओं का अनुपात हुआ लगभग समान

असुरक्षा की धारणाएं दरकिनार, आइआइएम बेटियों से गुलजार

ओपी वशिष्ठ ■ रोहतक

आरक्षण आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रोहतक से छात्राओं ने पढ़ने से अपने हाथ पीछे खींच लिए थे। वर्ष 2016 के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के 7वें बैच में 125 छात्र तथा मात्र नौ छात्राओं ने दाखिल लिया था। लेकिन नौवें बैच में छात्राओं ने सुरक्षा को लेकर सभी धारणाओं को नकारते हुए आइआइएम रोहतक में रिकार्ड दाखिले लिए हैं। इस बैच में कुल 242 सीटों के लिए 123 छात्र के मुकाबले 119 छात्राओं ने दाखिला लिया है। देश के सभी 18 आइआइएम में छात्र-छात्राओं का यह अनुपात सबसे बेहतर है।

गौरतलब है कि फरवरी 2016 में आरक्षण आंदोलन हिंसक हो गया था। जिसमें जान-माल की बड़ी हानि हुई थी।

रोहतक में आइआइएम की विद्यार्थी

यह संस्थान के लिए गर्व की बात है कि नौवें बैच में 123 छात्रों के मुकाबले 119 छात्राओं ने दाखिला लिया। देश और विदेश का बेहतर मैनेजमेंट संस्थान बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। बेटियों को प्रोत्साहन देने के लिए हर साल संस्थान द्वारा हाफ मैराथन का आयोजन किया जाता है।

प्रो. धीरज शर्मा, डायरेक्टर, आइआइएम रोहतक।

डर को हराया

आंदोलन का केंद्र बिंदु महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के आसपास रहा। आइआइएम रोहतक भी उस समय एमडीयू कैंपस में ही था। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के सातवें बैच में मात्र नौ छात्राओं ने ही दाखिल लिया। संस्थान की तरफ से जब इसके कारणों का पता लगाया तो अधिकतर छात्राओं ने आरक्षण आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा का ही हवाला दिया। लेकिन धीरे-धीरे सुरक्षा को लेकर जो डर छात्राओं में था, वो निकलता गया और फिर से छात्राओं ने आइआइएम रोहतक को भी अपना पसंदीदा संस्थान के तौर पर चुना।

दाखिले से पहले कैसे शांत की छात्राओं की जिज्ञासा

आइआइएम रोहतक में नौवें बैच के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हुई तो देश भर से छात्राओं ने आनलाइन प्लेटफार्म पर जानकारी जुटाई। संस्थान के टीचर व छात्राओं ने नई छात्राओं को सभी जिज्ञासाओं को बेहतर ढंग से शांत किया। अधिकतर छात्राओं ने रोहतक में सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे थे। आइआइएम के पूर्व विद्यार्थियों ने बताया कि एक दशक में एक भी आइआइएम विद्यार्थी के साथ कोई घटना-दुर्घटना सुरक्षा कारणों के चलते नहीं हुई है। इसके अलावा एनसीआर में होने के कारण 100 फीसद कैंपस प्लेसमेंट, फैकल्टी व अन्य स्टाफ बेहतर है। इन सब सवालों के जवाब मिलने के बाद आइआइएम में रिकार्ड 119 छात्राओं ने दाखिल लिया है। एक छात्रा ने बताया कि उसे भी यहां दाखिल लेने से पहले आरक्षण हिंसा को लेकर डर था, जो बाद में दिमाग से निकल गया।